अध्याय 2

फसलों के त्योहार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रश्नों के सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए।

(i) किस स्थान का तिलकुट प्रसिद्ध है?

(क) मनेर का ☐ (ख) बड़हिया का ☐

(ग) गया का ☐ (घ) सिलाव का ☐

(ii) देशभर में फसलों से जुड़े त्योहार कब मनाए जाते हैं

(क) फरवरी और मार्च में ☐ (ख) जनवरी से अप्रैल तक ☐

(ग) नवंबर और दिसंबर में ☐ (घ) जुलाई से सितंबर तक ☐

(iii) सरहुल का जश्न कितने दिनों तक चलता है?

(क) दो दिनों तक ☐ (ख) तीन दिनों तक ☐

(ग) पाँच दिनों तक ☐ (घ) चार दिनों तक ☐

(iv) पोंगल बनाते समय मटके के मुँह के चारों और ऊपर क्या बाँधा जाता है?

(क) साबुत हल्दी ☐ (ख) साबुत अदरक ☐

(ग) गेहूँ की बालियाँ ☐ (घ) इनमें से कोई नहीं ☐

(v) पाठ में किस ऋतु के त्योहार का वर्णन है?

(क) सर्दी ☐ (ख) गर्मी ☐

(ग) वर्षा ☐ (घ) बसन्त ☐

(vi) तमिलनाडु में खिचड़ी का त्योहार किस नाम से मनाया जाता है?

(क) खिचड़ी ☐ (ख) सरहुल ☐

(ग) पोंगल ☐ (घ) मकर संक्रांति ☐

(vii) 'सरहुल' क्या है?

(क) नृत्य ☐ (ख) अन्न ☐

(ग) त्योहार ☐ (घ) जन्म दिवस ☐

(viii) गुजरात में पतंगें किस त्योहार पर उड़ाई जाती हैं?

(क) दीवाली ☐ (ख) होली ☐

(ग) मकर संक्रांति ☐ (घ) दशहरा ☐

2. सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने गलत (×) का निशान लगाइए।

(i) जनवरी के मध्य में भारत के लगभग सभी प्रांतों में फसलों से जुड़े सभी त्योहार नहीं मनाए जाते हैं। ☐

(ii) सरहुल के अवसर पर तीसरे दिन कानों में सरई का फूल पहना जाता है। ☐

(iii) पोंगल बनाने के लिए मटके को धूप में रखा जाता है। ☐

(iv) गुजरात में मकर–संक्रांति के दिन पतंगों से आसमान ढक–सा जाता है। ☐

(v) मकर–संक्रांति के दिन पानी में तिल डालकर दान किया जाता है। ☐

(vi) मचिया पर खादी की काली साड़ी पहने हुए दादी बैठी थी। ☐

3. नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए।

सैलाब, खिचड़ी, प्रकृति, पक्षियों, पतंगों, नए, ईंट के, अंदाजा, फरमाइशी, फसलों

(i) गुरुजी, विमला दिद्दा, आनंद जी व झिलमिट भैया .... बने चूल्हे पर खिचड़ी बनाते थे।

(ii) आदिवासी आमतौर पर .... की पूजा करते हैं।

(iii) पोंगल में .... धान कूटकर चावल निकाला जाता है।

(iv) गुजरात में .... के बिना मकर–संक्रांति का जश्न अधूरा माना जाता है।

(v) घुघुतिया (कुमाऊँ का त्योहार) में बच्चे माला से पकवान तोड़कर .... को खिलाते हैं।

(vi) बाहर देखने से समय का .... बिलकुल नहीं हो रहा था।

(vii) अप्पी दिदिया का .... नाश्ता नहीं चला।

(viii) 14 जनवरी को भारत के लगभग सभी प्रांतों में .... से जुड़ा कोई–न–कोई त्योहार मनाया जाता है।

(ix) लोगों का .... नदी में स्नान के लिए उमड़ पड़ता है।

(x) वैसी .... फिर दोबारा खाने को नहीं मिली।

4. त्योहर से जुड़ी सही वस्तु का मिलान कीजिए।

(i) मकर–संक्रांति	(क) पकवानों की माला
(ii) पोंगल	(ख) सरई
(iii) घुघुतिया	(ग) पतंग
(iv) सरहुल	(घ) साबुत हल्दी

5. गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सरहुल के दिन विशेष रूप से 'साल' के पेड़ की पूजा की जाती है। यही समय है जब साल के पेड़ों में फूल आने लगते हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता है। स्त्री–पुरुष दोनों ही ढोल–मंजीरे लेकर रातभर नाचते–गाते हैं। चारों और फैली हुई छोटी–छोटी घाटियाँ, लंबे–लंबे साल के वृक्षों का जंगल और वहीं आस–पास बसे छोटे–छोटे गाँव। लिपे–पुते, करीने से बुहारे और सजाए गए अपने घरों के सामने लोग एक पंक्ति में कमर में बाँहें डालकर नृत्य करते हैं। अगले दिन वे नृत्य करते हुए घर–घर जाते हैं और फूलों के पौधे लगाते हैं।

(i) सरहुल में नाचने–गाने के दौरान क्या वाद्य–यंत्र प्रयोग में लाए जाते हैं?

____

(ii) सरहुल में लोगों के घर किस प्रकार के दिखते हैं?

____

(iii) सरहुल में घरों के सामने लोग किस प्रकार से नृत्य करते हैं?

____

(iv) सरहुल में पौधा–रोपण को किस प्रकार बढ़ावा दिया जाता है?

(v) सरहुल के दिन किस पेड़ की पूजा की जाती है?

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. दादी के बाल किसके समान थे?

----

2. तिलकुट किन चीजों से बनाया गया?

----

3. सरहुल में घर–घर से चंदे में कौन–कौन सी चीजें माँगी जाती हैं?

----

4. पोंगल के दिन घरों में कौन–कौन सी फसलें काटकर लाई जाती हैं?

----

5. सूरज कितने दिनों से नहीं निकला था?

----

6. बाहर देखने से समय का अंदाज़ क्यों नहीं हो पा रहा था?

----

7. सरहुल का त्योहार किस प्रांत में मनाया जाता है?

----

egyanarchive

8. कुमाऊँ में मकर संक्रांति के त्योहार को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?

----

9. आदिवासी आमतौर पर किसकी पूजा करते हैं?

----

10. लेखक के घर में कौन फ़रमाइशी नाश्ता खाता है?

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक के घर खिचड़ी के त्योहार पर केले के पत्तों पर क्या–क्या रखा गया था?

----

2. सरहुल का साल के पेड़ से क्या संबंध है?

----

3. खेती और फ़सलों से जुड़े कुछ प्रमुख त्योहारों के नाम बताओ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक के घर खिचड़ी के त्योहार पर क्या–क्या किया जा रहा था?

----

egyanarchive

2. मकर संक्रांति के दिन किस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है और किस प्रकार?

3. भारत के अधिकतर त्योहार किनसे जुड़े हैं और क्यो?

4. पोंगल के दिन क्या–क्या किया जाता है? दो–तीन पंक्तियों में लिखो।

5. कुमाऊँ में मकर–संक्रांति का दिन किस प्रकार मनाया जाता है?

egyanarchive

6. तुम्हें कौन–सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है और क्यों? इस दिन तुम्हारी दिनचर्या क्या रहती है?

भाषा आधारित प्रश्न

1. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए।

(i) आस .... (ii) बोरसी ....

(iii) पाला .... (iv) हाँक ....

(v) फरमाइशी .... (vi) सैलाब ....

2. निम्नलिखित वाक्यों को हिंदी में बदलकर लिखिए।

(i) केरा के पत्ता आइल की ना?

(ii) बोल जल्दी तैयार होखस।

(iii) खिचड़ी में अइसन ठाड़ हम पहिले कब्बो ना देख नी सारा देह कनकना दे तो!

----

3. मिलते–जुलते अर्थ वाले शब्दों को समानार्थी अथवा पर्यायवाची शब्द कहते हैं; जैसे– सूरज, सूर्य, आदित्य, दिनकर आदि। रेखांकित शब्दों के स्थान पर उनके पर्याय का प्रयोग करते हुए वाक्यों को पुनः लिखिए।

(i) सभी एक कमरे में इकट्ठे हुए।

(ii) सामने केले के कुछ पत्ते कतार में रखे हैं।

(iii) मकर–संक्रांति मनाने के अलग–अलग अंदाज हैं।

(iv) मकर–संक्रांति खुशियों का त्योहार है।

(v) झक सफेद सेमल की रूई जैसे

(vi) साल के वृक्षों का जंगल

----

4. दिए गए शब्द समूह में से उर्दू शब्दों को छाँटकर लिखिए।

डुबकी, खुशनुमा, प्रकृति, जश्न, पंक्ति, मजा, सफेद, आशीर्वादी, हिम्मत, प्रांत, ढंग, उम्मीद

----

5. एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं; जैसे– कनक शब्द के सोना, धतूरा, गेहूँ आदि कई अर्थ हैं। नीचे दिए गए शब्दों के अलग–अलग अर्थ लिखिए।

(i) नजर ....

(ii) चंदा ....

(iii) पाला ....

(iv) लाख ....

(v) गया ....

egyanarchive

6. दिए गए गद्यांश में से संज्ञा के भेदों के आधार पर संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए।

स्कूल में हम जो खिचड़ी मनाते थे उसकी अलग ही मस्ती हुआ करती थी। छुट्टी का दिन, नाव में बैठकर गंगा नदी की सैर और फिर टापू पर बालू में दौड़ते हुए पतंग उड़ाना या उड़ाने की कोशिश करना। कितना मजा आता था। इधर हम पतंग उड़ाते थे और वहीं थोड़ी दूर पर गुरुजी, विमला दिद्दा, आनंद जी, झिलमिट भैया सब मिलकर ईंट से बने चूल्हे पर बड़े–बड़े कड़ाहों में खिचड़ी बनाते थे। हम भी बीच–बीच में अपनी पतंगों को सुस्ताने का मौका देते हुए मटर और प्याज छीलने बैठ जाते। वैसी खिचड़ी फिर दुबारा खाने को नहीं मिली। वाकई, ढंग कैसा भी हो, पर है ये खुशियों का त्योहार।

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा	(ii) जातिवाचक संज्ञा	(iii) भाववाचक संज्ञा
....	....	....
....	....	....
....	....	....

7. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया के उचित रूप भरो–

उड़ाता है, बैठी थीं, नाचते–गाते हैं, मनाते हैं, बढ़ेगी, लगते हैं

(i) साल के पेड़ों में फूल आने ....।

(ii) लोग रातभर ....।

(iii) प्रत्येक गुजराती पतंग ....।

(iv) फ़सल तेज़ी से ....।

(v) दादी अकेली ....।

(vi) सब लोग इस त्योहार को ....।

8. विलोम शब्द लिखो–

(i) अंत × .... (iv) शुभ × ....

(ii) गिरने × .... (v) अधूरा × ....

(iii) स्त्री × .... (vi) गौण × ....

पाठ आधारित प्रश्न

नीचे दी गई वर्ग पहेली में देश के विभिन्न प्रांतों में मनाए जाने वाले फसली त्योहारों के नाम दिए गए हैं। उन्हें पहचानकर उन पर घेरा लगाइए। साथ ही प्रत्येक को उससे संबंधित प्रांत के सामने लिखिए।

बी	×	×	पों	×	×	घु
हू	प	तं	ग	प	र्व	घु
स	र	हु	ल	सं	क्रां	ति
लो	ह	ड़ी	ओ	ण	म	या

(i) केरल .... (ii) पंजाब ....

(iii) तमिलनाडु .... (iv) झारखंड ....

(v) गुजरात .... (vi) असम ....

(vii) बिहार .... (viii) कुमाऊँ ....

मूल्याधारित प्रश्न

1. यदि हमारे जीवन में त्योहार न हों, तो हमारा जीवन कैसा हो जाएगा? त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?

_ _

_ _

_ _

_ _

_ _

egyanarchive

रचनात्मक लेखन

1. रिक्त स्थानों में उचित शब्दों एवं वाक्यों को जोड़कर एक अनुच्छेद लिखो–

मैं एक .... । एक पतले से रंगीन कागज़ .... । गोंद से चिपकाकर .... । कई बार अलग–अलग आकार .... । पतंग उड़ाना एक .... ।

दो विशेष त्योहारों पर मुझे .... । बच्चे, बूढ़े, स्त्रियाँ सभी उत्साह से .... ।

मेरा जीवन बहुत छोटा .... । मेरा ऊपर उड़ना लोगों के मुख पर .... और मेरा जीवन सफल .... ।

****

egyanarchive